संपादकीय

भूख से लाचारी

ग्लोबल हंगर इंडेक्स की रैंकिंग में भारत का नेपाल व पाक से पिछड़ना हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। यह आंकड़ा हमारे विकास के तौर-तरीकों पर भी सवाल उठाता है। हमें ऐसे समग्र विकास की राह चुनने की नसीहत देता है, जिसमें भूख से निपटना हमारी प्राथमिकता हो। तमाम विकास के दावों के बीच यदि विश्व के भूख के सूचकांक में हमारा स्थान 117 देशों में 102वें नंबर पर आता है तो हमारी तमाम नीतियां सवालों के घेरे में आ जाती हैं। यह विचित्र संयोग ही कहा जायेगा कि जिस समय दुनिया को भूख की चुनौती से निपटने हेतु राह दिखाने के लिये भारत के एक प्रतिभावान अर्थशास्त्री को प्रतिष्ठित नोबेल सम्मान देने की घोषणा हुई है, तभी भूख सूचकांक में हमारी स्थिति सामने आई है। सत्ताधीश सोचें कि इस सूची में श्रीलंका और नेपाल जैसे देश हमसे आगे कैसे हैं जो कहीं न कहीं देश के आर्थिक संसाधनों का न्यायसंगत बंटवारा न होने को भी दर्शाता है। नि:संदेह देश में उदारीकरण व वैश्वीकरण के दौर के बाद अमीरी-गरीबी के बीच की खाई और चौड़ी हुई है। दरअसल, मानव विकास सूचकांक आधार वर्ष 2014 से 2018 के बीच विभिन्न देशों में बच्चों के कुपोषण के आंकड़ों पर आधारित है, जिसमें बच्चों के शारीरिक विकास और मृत्यु दर को आधार बनाया गया है। कमोबेश केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़े में बच्चों के कुपोषण की स्थिति हंगर इंडेक्स में वर्णित आंकड़ों से साम्य रखती है। ऐसे में भारत के विश्व की आर्थिक महाशक्ति बनने के दावों की पोल खुलती है। देश में बच्चों की एक बड़ी आबादी को पौष्टिक आहार नहीं मिल पा रहा है जो हमारे विकास के दावों के औचित्य पर प्रश्नचिन्ह है। यदि हम नागरिकों को भोजन, शिक्षा व स्वास्थ्य की सुविधा उपलब्ध नहीं करा पा रहे हैं तो विकास के तमाम आंकड़े बेमानी हो जाते हैं। आज नीतियों में बदलाव करने की जरूरत है। विकास की चमक के दावों के बावजूद यदि कुपोषण व भूख के आंकड़े देश की छवि को धूमिल कर रहे हैं तो नि:संदेह हमारे विकास के नीतिगत स्तर पर बड़ा खोट है। देश में भरपूर अनाज का उत्पादन हो रहा है। खाद्यान्न के भंडार भरे हैं। बल्कि हर साल लाखों टन अनाज रखरखाव के अभाव में सड़ जाता है। ज्यादा दिन नहीं हुए जब तंत्र की काहिली देखकर सुप्रीमकोर्ट को सत्ताधीशों से कहना पड़ा था कि अनाज सड़ाने से अच्छा है कि गरीबों में बांट दिया जाये। मगर शीर्ष अदालत की फटकार के बावजूद हालात बद से बदतर ही हुए हैं। अनाज आज भी सड़ता है और बड़ी आबादी कुपोषण का शिकार है। भुखमरी के हालिया सूचकांक हमारी चिंता को बढ़ाने वाले हैं क्योंकि ये आंकड़े युद्धग्रस्त यमन से भी नीचे हैं। नि:संदेह भारत सवा अरब की जनसंख्या वाला देश है और आबादी के अनुपात में कुपोषण की समस्या को देखा जाना चाहिए। मगर इस समस्या की जड़ सुरसा के मुंह की तरह बढ़ती आबादी के नियंत्रण के गंभीर प्रयास भी तो नहीं किये जा रहे हैं। बढ़ती आबादी आने वाले समय में मुश्किलें बढ़ाएगी।

दो बैंक कर्मचारी संघ के हड़ताल बुलाने से बैंकिंग सेवाएं आंशिक तौर पर प्रभावित

नई दिल्ली (आरएनएस)। बैंक कर्मचारियों के दो संगठनों के देशव्यापी हड़ताल बुलाने से मंगलवार को देश के कुछ हिस्सों में बैंकिंग सेवाएं प्रभावित चल रही हैं। हड़ताल की वजह से बैंक काउंटर पर नकदी के जमा और निकासी के साथ-साथ चेक भुगतान की सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। देश के शहरी क्षेत्रों में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की शाखाएं सुचारू रूप से चल रही हैं। इसकी वजह इन शाखाओं के अधिकारियों का

हड़ताल का हिस्सा नहीं होना है। ऑल इंडिया बैंक एंप्लॉयीज एसोसिएशन (एआईबीईए) और बैंक एंप्लॉयीज फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीईएफआई) के इस हड़ताल बुलाने के बारे में भारतीय स्टेट बैंक समेत अधिकतर बैंकों ने अपने ग्राहकों को पहले ही जानकारी दे दी थी। संगठनों ने यह हड़ताल सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का विलय करने और जमा दर में कमी आने के खिलाफ बुलायी है। एआईबीईए के महासचिव सी. एच. वेंकटचालम ने कहा कि देश को बैंकों के विलय की बिलकुल जरूरत नहीं है क्योंकि हमें और बैंकिंग सेवाओं की जरूरत है तथा लोगों को सेवाएं देने के लिए और शाखाएं खोलनी हैं। उन्होंने कहा कि विलय के परिणामस्वरूप कई शाखाएं बंद हो जाएंगी, इसलिए यह एक गलत नीति है। भारी मात्रा में फंसे कर्ज की वसूली बैंकों की प्राथमिकता होनी चाहिए और विलय उनकी इस प्राथमिकता को बदल देगा।

बीसीसीआई टीम के कार्यभार सम्भालते ही सीओए काम बंद कर देगा : सुप्रीम कोर्ट

नईदिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को प्रशासकों की समिति (सीओए) से कहा कि जैसे ही बीसीसीआई के नए अधिकारी अपना कार्यभार सम्भाल लेंगे, वह अपना काम बंद कर दे। दो जजों की बेंच की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति एसए बोबडे ने बीसीसीआई के हित में कोई भी फैसला लेने के क्रम में सीओए के खिलाफ कोई सिविल या फिर आपराधिक मामला नहीं बनता।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अध्यक्ष विनोद राय की टीम 23 अक्टूबर को नए अध्यक्ष सौरभ गांगुली और उनकी टीम के कार्यभार सम्भालते ही अपना कार्यालय बंद कर देगी।

न्यायालय ने बीसीसीआई से कहा है कि वह कानूनी खर्चों सहित सीओए के हर खर्च को वहन करे। अदालत ने यह भी देखा कि सीईओ द्वारा हस्ताक्षरित सीओए का पारिश्रमिक भी स्वीकृत है।

बेनेली ने भारतीय बाजार में पेश की इंपीरियल-400 मोटरसाइकिल

नईदिल्ली (आरएनएस)। मोटरसाइकिल बनाने वाली इतालवी कंपनी बेनेली ने मंगलवार को अपनी इंपीरियल-400 को भारतीय बाजार में पेश किया। इसकी शोरूम में कीमत 1.69 लाख रुपये है। बेनेली ने एक बयान में जानकारी दी कि इसमें भारत चरण-4 उत्सर्जन मानक वाला 347 सीसी का इंजन लगा है। कंपनी के भारतीय परिचालन के प्रबंध निदेशक विकास झाबक ने कहा कि वह इस श्रेणी पर बड़ा दांव लगा रहे हैं। इंपीरियल-400

भारतीय बाजार में पेश करने के साथ कंपनी बाजार में एक अहम हिस्सेदारी हासिल करने को लेकर काफी आश्वस्त है। इसके लिए कंपनी इसे कई डीलरों के यहां भी पेश करेगी। बयान के अनुसार कोई भी ग्राहक 4,000 रुपये का भुगतान कर इसकी बुकिंग करा सकता है।

फिर घटे पेट्रोल डीजल के दाम, कच्चे तेल में 4 दिनों से नरमी जारी

नईदिल्ली (आरएनएस)। पेट्रोल और डीजल के दाम में मंगलवार को फिर कटौती की गई है। तेल विपणन कंपनियों ने देश के चार प्रमुख महानगरों दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल के दाम में पांच पैसे जबकि डीजल के दाम में छह पैसे प्रति लीटर की कटौती की है। उधर, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के भाव में विगत चार दिनों से नरमी बनी हुई है। इंडियन ऑयल की बेवसाइट के अनुसार, दिल्ली, कोलकता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल के दाम घटकर क्रमशः 73.22 रुपये, 75.87 रुपये, 78.83 रुपये और 76.04 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं। चारों महानगरों में डीजल के

दाम भी घटकर क्रमशः 66.11 रुपये, 68.47 रुपये, 69.29 रुपये और 69.83 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं। पेट्रोल के दाम में बीते छह दिनों तक स्थिरता बनी रही। वहीं, डीजल के दाम में एक दिन बाद फिर कटौती की गई है। अंतर्राष्ट्रीय वायदा बाजार इंटरकांटिनेंटल एक्सचेंज (आईसीई) पर ब्रेंट क्रूड के दिसंबर अनुबंध में मंगलवार को 0.08 फीसदी की कमजोरी के साथ 58.91 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार चल रहा था। वहीं, न्यूयॉर्क मर्के टाइल एक्सचेंज (नायमैक्स) पर अमेरिकी लाइट क्रूड वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) के दिसंबर डिलीवरी अनुबंध में 0.06 फीसदी की नरमी के साथ 53.67 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार रहा था।

ईमानदार जज्बे के साथ खेल रहे हैं खिलाड़ी: विराट

रांची। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मंगलवार को मिली जबरदस्त क्लीन स्वीप जीत के बाद कहा कि सभी खिलाड़ी ईमानदार और जोश भरे जज्बे के साथ खेल रहे हैं जिसकी बदौलत टीम को इस तरह के परिणाम मिल रहे हैं।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को तीसरे टेस्ट के चौथे दिन पारी और

202 रन से पराजित किया। इससे पिछले पुणे टेस्ट में भी उसने विपक्षी टीम को पारी से हराया था। इसी के साथ मेज़बान टीम ने घरेलू मैदान पर तीन टेस्टों की सीरीज़ में 3-0 से क्लीन स्वीप कर ली।

विराट ने जीत के बाद कहा, हमारा जज्बा शुरूआत से ही ईमानदारी भरा रहा है और इसीलिये हमें इस तरह के परिणाम मिल रहे हैं। हम जब तक इसी दिशा में खेलते रहेंगे हमें यही परिणाम मिलते रहेंगे। हम टेस्ट में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम बनना चाहते हैं और जब तक हम प्रतिस्पर्धा करते रहेंगे परिस्थितियां हमारे हक में बनी रहेंगी।

प्याज के छिलकों में छिपे हैं सेहत और सौन्दर्य के ये 5 राज

प्याज का इस्तेमाल करने से पहले अगर आप उसके छिलकों को निकाल कर फेंक देते हैं, तो प्याज के छिलकों में छिपे सेहत और सौन्दर्य के ये 5 राज जानने के बाद आप उन्हें फेंकना भूल जाएंगे -

बैड कोलेस्ट्राल कम करने में मदद करता है - इसके लिए आपको प्याज के छिलकों को पूरी रात पानी में भिगोकर रखना है और सुबह इस पानी को पीना है। इसका स्वाद आपको जरूर अच्छा नहीं लगेगा, इसलिए आप चाहें तो इसमें शहद या चीनी मिलाकर भी पी सकते हैं। रोजाना इसके सेवन से आपको कुछ दिनों में फर्क जरूर नजर आएगा है।

त्वचा की एलर्जी से राहत दिलाएगा - यदि आपको त्वचा में किसी चीज से एलर्जी है तो आप ऊपर बताई गई विधि से ही प्याज के छिलकों का पानी बनाएं (यानी कि रातभर प्याज के छिलकों को पानी में भिगोकर रखें और सुबह प्याज के छिलकों का पानी तैयार है) अब इस पानी से रोजाना अपनी त्वचा साफ करें।

बालों को बनाएो खूबसूरत - आप बालों को चमकदार बनाने के लिए कई तरह के कंडीशनर इस्तेमाल करती हैं, तो अब से आप प्याज के छिलकों का पानी भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे आपके बाल मुलायम और चमकदार हो जाएंगे।

चेहरे के दाग-धब्बे हटाएं - चेहरे के दाग-धब्बे से निजात पाने के लिए आप प्याज के रसयुक्त छिलके का इस्तेमाल करें। इसके लिए आप प्याज के छिलके में हल्दी मिलाकर दाग-धब्बे वाली जगह पर लगाएं।

दिवाली पर ऐसे करें अपने घर की सजावट, अपनाएं आसान टिप्स...

नवरात्रि खत्म होते ही दिवाली की तैयारियां शुरू हो गई है। इस बार दीपावली 27 अक्टूबर को है। दीवाली पर लगभग सभी लोग अपने घरों को सजाते है। दिवाली से सात दिन पहले ही घरों को सजाने के लिए तैयारियां शुरू हो जाती है। ऐसे में आज हम आपको कुछ आसान टिप्स देने जा रहे हैं जिससे आप कुछ ही समय में अपने घर को नया लुक दे सकते हैं। इसके लिए आप घर में जो भी गैर जरूरी चीजें जमा हैं, उन्हें हटा दें क्योंकि वह बेवजह घर में स्पेस घेरे रहती हैं। आइए उन टिप्स के बारे में जानते है।

: अपने घर को ताजे-फूलों और फूल मालाओं से सजाएं और आप पारंपरिक लटकन भी अपने घर के लिए ला सकते हैं। क्योंकि ये कांच, कड़े, मोतियों और सीप्स से बनी हो सकती हैं। इसी के साथ आप अपनी पसंद के डिजाइन ले सकते हैं और आप चाहे तो राजस्थानी और गुजराती लटकने भी लगा सकते हैं क्योंकि ये कहीं अधिक कलरफुल होती हैं। इसी के साथ घर के लिए बंदरवाल जरूर खरीदें या आम के पत्तों से बनाएं।

पेंटिंग, गुलदस्ते लाइट : आजकल घरों की सजावट के लिए पेंटिंग सबसे तरीका है। आप घर पर भी पेंटिंग बना सकते है। अगर आप घर के कामकाजों में व्यस्त रहते है तो आप बाजार से भी पेंटिंग ला सकते है।

मुझमें भिन्न किरदारों को करने की ललक है : भूमि पेडनेकर

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर की तीन फिल्में एक के बाद एक रिलीज होने के लिए बिल्कुल तैयार है। आने वाले समय में भूमि सांड की आंख, बाला और पति पत्नी और वो में नजर आएंगी। भूमि का कहना है कि एक अभिनेत्री के तौर पर उनको विविध किरदारों को करने की ललक है। भूमि ने कहा, एक कलाकार होने के लिए भिन्न किरदारों को करने की मुझमें ललक है और मेरी आने वाली तीन फिल्में, फिल्मों को चुनने की मेरी विविधता को दर्शाएगी। इन तीनों ही फिल्मों की कहानी बेहतरीन है और ये मेरे दिल के बेहद करीब है। भूमि ने आगे कहा, मजे की बात तो यह है कि सांड की आंख और बाला के पास एक महत्वपूर्ण संदेश है जो दर्शकों के दिलों को छू जाएगी क्योंकि स्क्रिप्ट में सोशल कमेंट्री (परिवर्तन को बढ़ावा देने की बात) निहित है।

ट्राई करें लो फैट मखाना-मटर करी

क्रिस्पी चिप्स जैसे स्नैक्स को सेहत के लिए सही नहीं माना जाता है, इसकी जगह आजकल काफी लोग मखाने खाना पसंद करते हैं. स्नैक्स के अलावा इसका इस्तेमाल डिजर्ट और करी बनाने के लिए भी किया जाता है. यह अविश्वसनीय रूप से पौष्टिक भरा होने के साथ लो फैट भी है. इसे आप सूखा या फिर घी में भी भूनकर खा सकते हैं. दुनिया भर में लोग मखाना को सुपरफूड के रूप में देखने लगे हैं और इसे स्वस्थ आहार के रूप में शामिल किया जाने लगा है. भारत में तो इसका इस्तेमाल काफी व्यंजनों में किया जाने लगा है.

मखाना पोषण

मखाने के 100 ग्राम हिस्से में सिर्फ 89 कैलोरी और लगभग न कोई फैट और न ही कोलेस्ट्रॉल होता है, इसमें (यूएसडीए डेटा के अनुसार) 4 ग्राम प्रोटीन होता है. इसके अतिरिक्त, मखाना पोटेशियम में भी समृद्ध हैं, जो हृदय स्वास्थ्य के लिए एक महत्वपूर्ण

पोषक तत्व है. इसमें महत्वपूर्ण बी विटामिन, आहार खनिज भी शामिल हैं और स्वस्थ कार्बोहाइड्रेट में समृद्ध है. यह सोडियम में कम है, जो उच्च रक्तचाप आदि जैसी कई समस्याओं का मूल कारण है.

आज हम मखाने से बनने वाली एक बेहद ही स्वाद और लो फैट शाकाहारी डिश है, जिसे एक बार खाने के बाद आप बार-बार बनाना चाहेंगे. इस सब्जी में क्रीमी काजू का स्वाद आता है. इस रेसिपी को लोकप्रिय शेफ मंजूला जैन ने अपने यूट्ब चैनल मंजुला किचन पर पोस्ट किया है. इसे आप पूरी, चावल या फिर रोटी के साथ भी सर्व कर सकते हैं. तो देर किस बात की डालते हैं एक नजर इस बेहतरीन रेसिपी पर.

शब्द सामर्थ्य- 23

बाएं से दाएं
1. बात, घटना, मामला, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मपुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे
1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झुला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

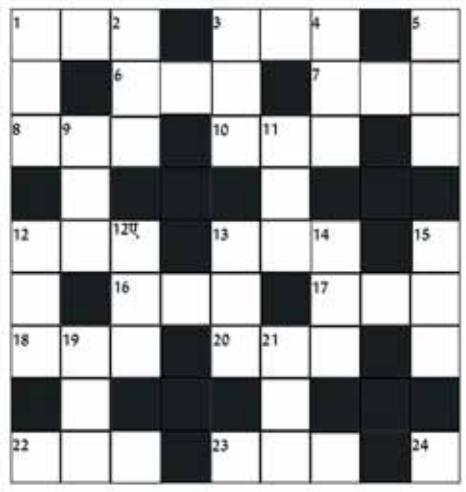

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 22 का हल

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल
ड़	■	ल	ज्जा	■	म	स्का	■	य
■	बा	■	■	बि	हा	र	■	■
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त
■	श	क्ल	■	न	मि	त	■	न

सू-दोकू- 23

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.22 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

आज का राशिफल

मेष:- कड़वाहट को मिठास में बदलने की कला आपको सीखनी पड़ेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य प्राप्त होगा। संतान पक्ष से आशाजनक समाचार मिल सकता है।

वृषभ:- आज का दिन संतोष और शांति का है। राजनीतिक क्षेत्र में किए गए प्रयासों से सफलता मिलेगी। शासन व सत्ता से गठजोड़ का लाभ मिल सकता है। नए रिसर्चों के द्वारा पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मिथुन:- किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने का भय बन रहेगा। संतान की शिक्षा या किसी प्रतियोगिता में अशातीत सफलता का समाचार मिलने से मन में हर्ष होगा।

कर्क:- आजीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति हो सकती है। यात्रा, देशाटन की स्थिति सुखद व लाभदायक रहेगी।

सिंह:- आमदनी के नए स्रोत बनेंगे। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलाएगी। शिक्षा, प्रतियोगिता में विशेष सफलता मिलेगा। सूर्य के कारण अधिक भागदौड़ और नेत्र विकार होने की आशंका है।

कन्या:- रोजगार-व्यापार के क्षेत्र में जारी प्रयासों में अकल्पनीय सफलता प्राप्त होगी। संतान पक्ष से संतोषजनक सुखद समाचार मिलेगा।

तुला:- आज आपके चारों ओर सुखद वातावरण रहेगा। घर परिवार के सभी सदस्यों की खुशियां बढ़ेगी। कई दिनो से चली आ रही लेन-देन की कोई बड़ी समस्या हल हो सकती है।

वृश्चिक:- आपकी राशि पर शनि योग अभी कुछ दिन और चलेगा। फलस्वरूप कुछ आन्तरिक विकार जैसे-वायु-मूत्र-रक्त , जड़ जमा रहे हैं।

धनु:- आज आपके विरोधी आपकी प्रशंसा करेंगे। शासन सत्ता पक्ष से निकटता व गठजोड़ का लाभ भी मिलेगा। ससुराल पक्ष से पर्याप्त मात्रा में धन हाथ लग सकता है।

मकर:- आज पारिवारिक व आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। आजीविका के क्षेत्र में चल रहे नए प्रयास फलीभूत होंगे। अधीनस्थ कर्मचारियों का आदर व सहयोग भी पर्याप्त मिलेगा।

कुंभ:- आज आपके स्वास्थ्य सुख में व्यवधान आ सकता है। राशि का स्वामी शनि क्योंकि उदय चल रहा है। अतः निर्मूल विवाद अकारण शत्रुपत्ति, अपनी बुद्धि द्वारा किये कार्यों में ही हानि और निराशता कारक है।

मीन:- आज का दिन पुत्र, पुत्री की चिंता तथा उनके कामों में व्यतीत होगा। दाम्पत्य जीवन में कई दिन से चला आ रहा गतिरोध समाप्त हो जाएगा। धार्मिक क्षेत्रों की यात्रा और पुण्य कार्यों पर खर्चा हो सकता है।